

फर्द अहकाम

श्री नारायण बनाम पूजा

संख्या / वर्ष : _____ / 20 _____

दिनांक आज्ञा या कार्यवाही	आज्ञा विस्तृत रूप से	विशेष विवरण
3.9.25	पत्रावली पेश हुई। जादी/प्रतिवादा अधिवक्ता उपरिगत/अनुपस्थित है। पूर्व आदेशानुसार पत्रावली ई 10/9/25 को पेश हो	
10.9.25	पत्रावली पेश हुई। अधिवक्ता प्रार्थी उप०। महसु प्रार्थना पत्र लुनी गम्भी। पत्रावली नास्ते कारण दिनांक 14/9/25 को पेश हो।	
19.9.25	पत्रावली पेश हुई। अधिवक्ता प्रार्थी उप०। महसु अधिवक्ता प्रार्थी पर मनन किया गया। पत्रावली पर उपलब्ध दस्तावेजों का भवलोक्त किया गया। अधिवक्ता प्रार्थी की महसु एवं पत्रावली के भवलोक्त पत्रावली प्रार्थीगत द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाना आयोजित प्रतीत होता है। महसु प्रार्थीगत द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 212 RTI स्वीकार किया जाना अध्यायी ले. 1 और ताम्रपत्र वाद पाठ्य किया जाता है की वादवस्तु धाराजी ख.नं. 01/9.3447, 11/0.1012, 12/0.1517, 13/1.7450, 14/14542, 15/0.0379, 16/0.0253, 17/0.632, 18/0.1012, 19/0.7966, 2/1.0116, 3/0.5058, 5/2.3140, 7/0.5564 वाले ग्राम भैसावा तह जोबनेर के सोने व बाजार रिजार्ड की भयास्थिति बनाएं रखे। निर्वाच खुले न्यायालय में सुनाया गया। पत्रावली कोसल शुमार होकर नंबर ले काम होकर प्रारिप्त इतर हो।	उपखण्ड अधिकारी जोबनेर, जयपुर

उपखण्ड अधिकारी
जोबनेर, जयपुर